

असाधारगा

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं । 117] No. 117]

नई दिल्ली, शुक्रव।र, जूम 9, 1978/ज्येष्ठ 19, 1900

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 9, 1978/JYAISTHA 19, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में ख्या जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस महालय

(राजस्य विभाग)

(अव्रध्यक्ष कर प्रभाग)

नर्ड दिल्ली, ७ जून 1978 सार्वजनिक मुचना

स० प्रतिअवायगी/सा० स० 28/78 सीमाणुरूक तथा केन्द्रीय उत्पादन मुल्क प्रति भ्रदायगी, नियमावली, 1971 (भारत के राजपत्र श्रमाधारण दिनाक 25 अगस्त 1971 में प्रकाणित अधिसूचना सख्या 52/फा॰ रा०602/2/70-प्रब्यू०) ह नियम 3 के ब्रन्तर्गत नेन्द्रीय भरकार, एतद्वारा सम्या-समय पर यथा सणोशन शार्वजनिक सूचना अस० प्रति-ग्रदायगी/सा०मूर-1, दिनाक 15 ग्रवट्बर, 1971 में प्रकाशित मारणियो में निम्नलिखित संशोधन करती है ---

उप-त्रभाक महया 2628 तथा उनसे सर्वाधत प्रविष्टियों के बाद निम्न-लिखित उप प्रमान सब्धा तथा प्रविष्टिया ग्रन्त स्थापित की जायेगी प्रयात् --

वस्तुम्रोका विवरण प्रतिग्रदायगी की दर उप-ऋमाक

2 7

वस्बल, जिनकः। निर्माण ऐसे सुध स 2629 किया जाता है, जिनमे अन प्रचुर माला मे होती है, जो गानेटग प्रक्रिया ध्रथवा फिसी भ्रन्य प्रक्रिया द्वार। तन्तु भ्रवणिष्ट, सुत ग्रम्बणिष्ट श्रथका वस्त्र ग्रवणिष्ट स प्राप्त चन्तुको से बनाया गशा हो।

तन्तु - ग्रन्तर्वस्त्

(न) ऊनी सूत की ग्रन्तर्वस्तु (जिसमे 1 50 ६० (केवल एक रुपया और पचास पैसे) ५ प्रतिशत से भ्रधिक शुद्ध ऊन नमाबिस्ट नही हो) जिसे ऊन ग्रन्तवंस्तु का प्रति फ्राम तौरपर शाही के रूप मे किलोग्राम । जाना जाता है।

(ख) रजक श्रन्तर्वस्तु यदि माल सूत 0.15 হ৹ (केवल पद्रह रजिन हो ग्रथवा ट्कडो में पैसे) माल के धारा श्रन्त-रजित हो। र्थस्तुका प्रति किलोग्राम्।

उपर्युक्त माल के बारे में व्यक्तिगत निर्माता/निर्यातकर्ता के निसिक्त नियत सभी अण्ड दर, इस सार्वजनिक सूचना के प्रभावी होने के साथ-साथ वापन ले ली गई समझी जायेगी।

3 यह सार्वजनिक सूचना 15 दितम्बर, 1877 को प्रयुत्त हुई समझी जायंगी।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Indirect Taxes Division)

New Delhi, the 9th June, 1978

PUBLIC NOTICE

No. DRAWBACK/PN-28/78.--Under rule 3 Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971 (Notification No 52/F. No. 602/2/70-DBK published in the Gazette of India Fxtraordinary dated the 25th August, 1971), the Central Government hereby makes the following amendments in the Tables published in the

Public Notice No. DRAWBACK/PN-1 dated the 1.5tb October, 1971 as amended from time to time :-

After sub-serial No. 2628 and the entries relating thereto, the following sub-serial No. and the entries shall be inserted, namely :--

Sub.	Description of goods	Rate of drawback
Serial		
No.		
2629	Blankets which are manufac-	
	tured from yarn, in which	
	wool predominates, made	
	out of fibres obtained	

Yarn Content

(a) Content of woollen yarn Rs. 1.50 (Rupee One and (containing not more than 5% virgin wool) commonly known as shoddy.

from fibre waste, yarn

waste or fabric waste by garnetting or by any other

process

- paise fifty only) per Kg of the wool content.
- (b) Dye content if the goods are yarn dyed or
- Rs. 0.15 (Paise fifteen only) per Kg. of yarn content of the goods.
- 2. All brand rates fixed for individual manufacturer/exporter in respect of the above goods will stand withdrawn with the coming into effect of this Public Notice.

3. This Public Notice shall be deemed to have come into force on the 18th day of September, 1977.

मृद्धि-पक्ष

सं प्रतिअवाधगी/सा॰स्० 29/78 नेम्द्रीय सरकार, राजपत्न, ग्रसाधारण भाग । ब्रंड । मैं प्रकाशित सार्वजनिक मूचना सं० प्रतिग्रदायगी/सा०सू० 27/78 दिनांक 1 में एनदृद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है:--

जप-क्रमांक 4604 के सामने 'प्रतिश्रवायगी की वर' स्तभ के धन्तर्गत मद (1) में 'उप-क्रमांक 4603' के स्थान पर उप-क्रमांक 4310(ii) पढ़ें। सी० डी० रंगाचारी, उर सचिव,

CORRIGENDUM

No. Drawback/PN-29/78.—In the Public Notice No. DRAWBACK/PN-27/78 dated the 1st June, 1978, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, Extraordinary, the Central Government hereby makes the following corrections therein :---

Under the Column 'Rate of drawback' against sub-scrial No. 4604 in item (1) for 'Sub-serial No. 4603' Read "Subscrial No. 4610(ii)".

C. D. RANGACHARI, Dy. Secy.